



Hargharpanditji

॥ रविवार व्रत के उद्देश्य ॥

॥ ॐ सूर्याय नमः ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ रविवार व्रत के उद्देश्य ॥

रविवार का व्रत मुख्य रूप से सूर्य देव की उपासना के लिए किया जाता है। ज्योतिष में सूर्य को आत्मविश्वास, यश, सम्मान, नेतृत्व, पिता, स्वास्थ्य और जीवन-ऊर्जा का कारक माना जाता है। रविवार व्रत के प्रमुख उद्देश्य इस प्रकार हैं:

सूर्य देव की कृपा प्राप्त करना — जीवन में ऊर्जा, तेज और सकारात्मकता बढ़ाने के लिए।

स्वास्थ्य और शारीरिक शक्ति — सूर्य उपासना को आरोग्य और जीवन-शक्ति से जोड़ा जाता है।

आत्मविश्वास बढ़ाना — निर्णय लेने की क्षमता, साहस और आत्मबल को मजबूत करने के लिए।

मान-सम्मान और प्रतिष्ठा — समाज और कार्यक्षेत्र में सम्मान एवं प्रतिष्ठा की कामना से।

करियर और सफलता — नौकरी, व्यवसाय, प्रशासन और नेतृत्व से जुड़े कार्यों में उन्नति की प्रार्थना के लिए।

पिता से संबंधित सुख — सूर्य को पिता का कारक मानकर पिता के स्वास्थ्य और संबंधों में शुभता की कामना की जाती है।

नकारात्मकता दूर करना — आलस्य, निराशा और मानसिक कमजोरी को कम करके सकारात्मक सोच विकसित करने के उद्देश्य से।

आर्थिक उन्नति — कार्यक्षेत्र में प्रगति और स्थिर आय की कामना से व्रत किया जाता है।

आध्यात्मिक उन्नति — सूर्य को प्रकाश और चेतना का प्रतीक मानकर आत्मिक जागरूकता बढ़ाने के लिए।

जीवन में अनुशासन — नियमित पूजा, संयम, प्रातःकाल सूर्य को अर्घ्य और सात्विक आहार के माध्यम से अनुशासन विकसित करना।

रविवार व्रत का मुख्य संकल्प

“मैं सूर्य देव की आराधना करके अपने जीवन में स्वास्थ्य, आत्मबल, यश, सम्मान, सफलता और सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति की कामना करता/करती हूँ।”

परंपरा में रविवार को प्रातःकाल स्नान करके सूर्य देव को जल अर्पित करना, लाल पुष्प चढ़ाना और सूर्य मंत्र का जाप करना शुभ माना जाता है।